(६) आज तो बधाई राजा...

आज तो बधाई राजा नाभि के दरबार में;
नाभि के दरबार में नाभि के दरबार में ॥ टेक ॥

मरुदेवी ने ललना जायो जायो ऋषभकुमारजी;
अयोध्या में उत्सव कीनो घर-घर मङ्गलाचारजी ॥ 1 ॥

हाथी दीना घोड़ा दीना, दीना रथ भण्डारजी;
नगर सरीखा पट्टन दीना, दीना सब श्रृंगारजी ॥ 2 ॥

घन घन घन घन घण्टा बाजे देव करें जयकारजी;
इन्द्राणी मिल चौक पुरावे भर-भर मूतियन थारजी ॥ 3 ॥

तीन लोग में दिनकर प्रगटे घर-घर मङ्गलचारजी;
केवल कमला रूप निरञ्जन आदीश्वर महाराजजी ॥ 4 ॥

हाथ जोड़कर मैं करूँ विनती, प्रभुजी को चिरकालजी;
नाभिराजा दान देंवे बरसे रतन अपारजी ॥ 5 ॥